INDEX

NAME : BISHWAMOHAN BHARTI STD. : B.Ed. SEC. 2015-17 ROLL NO. 6032096

S.NO.	Date	Title	Page No.	Teacher's Sign./ Remarks
1		Meaning and Concept of Art.	1	
2.		कला की प्रकृति	3	
3.		कला का महत्व	5	
4.		कला शिक्षा का अर्थ	7	
5.		कला का अन्य विषयों से संबंध	9	
6.		Visual and Performing Art	13	
7		चित्र कला	15	
8		संगीत	19	
9		कला और शिक्षा में संबंध	20	
10		हस्त कला	22	
11		चित्र कला	24	

UNITED SECULAR SOCIETY

University Roll No. 6032096

Meaning and Concept of 'Art'

कला एक ऐसा विषय है जिसमें विभिन्न क्रियाओं व गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक मिलती है कला का क्षेत्र अत्यन्त व्यापक है व कला शिक्षण का उद्देश्य केवल छात्रों का संज्ञानात्मक विकास ही नहीं अपितु क्रियात्मक विकास व्यवहारगत परिवर्तनों को लाते हुए छात्रों को आत्मनिर्भर व जीवन जीने की कला सिखना है।

कला शिक्षण के माध्यम से छात्रों में विचारों, भावों, अनुभवों, धारणाओं प्रतिक्रियाओं की स्वच्छन्द रूप से आत्म अभिव्यक्ति को विकसित करने के लिए अवसर प्रदान किए जाते है।

यह एक ऐसा विषय है जो छात्रों के जीवन में से नीरसता को दूर कर कल्पनाओं के रंग भरता है छात्रों को सृजनात्मकता व नवीनता को अपनाने के लिए प्रेरित करता है तथा उनमें रुचि व समझ विकसित करते हुए प्रत्येक कार्य को पूर्ण लगन व मेहनत से करने के लिए तैयार करता है।

चित्रांकन, नृत्य, नाटक, एकांकी,

UNITED SECULAR SOCIETY

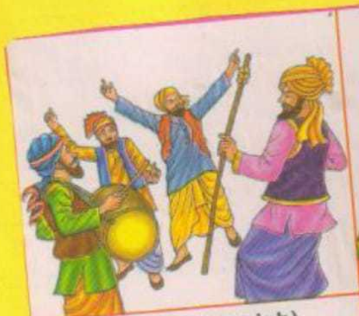

Bhangra (Punjab)
भांगड़ा (पंजाब)

Haryana Folk Dance
हरियाणा लोक नृत्य

Santhal Dance (Bihar)
संथल नृत्य (बिहार)

Garba Dance (Gujarat)
गरबा नृत्य (गुजरात)

शिल्पकारी, रेखाचित्र, रंग करना आदि इनमें से किसी भी रूप द्वारा अपनी भावनाओं को व्यक्त करना कला कहलाता है।

यह एक ऐसा माध्यम है जो सभी सीमाओं व बन्धनों से मुक्त है किसी न किसी उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए इसे अपनाया जाता है यह लोक परम्परा शास्त्रीय नवीन प्राचीन सभी रूपों को अपने में समेटे है तथा इसके द्वारा प्रत्येक छात्र की जरूरतों को पूरा किया जा सकता है।

कला एक ऐसा विषय है जिसके द्वारा छात्रों को अपनी जिज्ञासा, रुचियों भावनाओं आदि को सन्तुष्ट व विकसित करने के लिए भरपूर अवसर प्राप्त होते हैं। इसके माध्यम से वह अपने समय का उचित रूप से प्रयोग कर सकते हैं।

यह कोई अलग-अलग विषय नहीं है अपितु यह अन्य विषयों से व अन्य विषय इसका अंग उसी प्रकार है जैसे आत्मा का शरीर से सम्बन्ध है यह आपस में एक दूसरे के पूरक हैं।

UNITED SECULAR SOCIETY

University Roll No. 6032096

कला की प्रकृति
Nature of Art :-

i) कला शिक्षण द्वारा छात्रों को अपने अन्य विषयों के अध्ययन में अर्जित सैद्धान्तिक ज्ञान को व्यवहारिक पृष्ठभूमि के अवसर मिलते हैं।

ii) यह एक सतत व विस्तृत प्रक्रिया है। इसका क्षेत्र अत्यन्त व्यापक है तथा हर पल इसमें कुछ न कुछ नया जुड़ता रहता है।

iii) इसमें उन सभी अनुभवों का समन्वय होता है जिसमें कुछ न कुछ सिखने को मिले फिर चाहे वह अनुभव अच्छे या बुरे हों।

iv) यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है इसमे प्रत्येक के लिए कुछ न कुछ हैं।

v) यह ज्ञानात्मक व व्यवहारात्मक अन्य कौसलों

UNITED SECULAR SOCIETY

Importance of Art

कला का महत्व:

i) कला हमारे भावों को गति प्रदान करती है।

ii) कला हमारी भावनाओं की अभिव्यक्ति का सरल साधन है।

iii) यह बच्चों में सृजनात्मकता की भावना को जन्म देती है।

iv) बच्चे लगन व ईमानदारी से काम करना सिखते हैं।

v) कला हमारी उन्नति का आधार है।

vi) यह आत्मलोचना व आत्म निरीक्षण मे मदद करती है।

vii) प्रचार की दुनिया में दिन-प्रतिदिन इसका महत्व अधिक होता जा रहा है।

UNITED SECULAR SOCIETY

Dandiya Dance (Gujarat-Maharashtra)
डांडिया नृत्य (गुजरात-महाराष्ट्र)
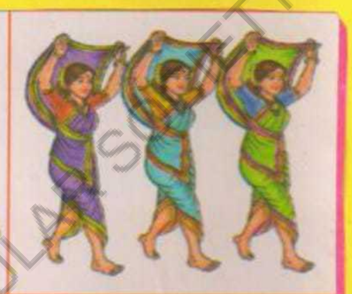
Lavni (Maharashtra)
लावणी नृत्य (महाराष्ट्र)

UNITED SECULAR SOCIETY

viii) यह संगठन की भावना को पैदा करती है

ix) यह योजनाएँ बनाने में सहायता करती हैं।

x) यह हमारी कल्पना शक्ति को विकसित करती है अतः कला का हमारे दैनिक जीवन में अपना ही महत्व है।

UNITED SECULAR SOCIETY

University Roll No. 6032096

कला-शिक्षा का अर्थ :-

सुन्दरता और मधुरता लाने वाली वस्तु को कला कहा जाता है कला का मानवीय जीवन मे महत्वपूर्ण स्थान है कला मानवीय जीवन की आवश्यकता भी है और अभिव्यक्ति भी हर देश-काल तथा संस्कृति का व्यक्ति की आधारभूत आवश्य-कताओं के साथ गहरा नाता रहा है। वास्तव में कला ऐसा सशक्त माध्यम है जिसके द्वारा व्यक्ति अपने भावों की अभिव्यक्ति करता है।

आदि काल से ही कला मनुष्य भावनाओ आवश्यकताओं को पूर्ति करती आई है। इसीलिए कला-शिक्षा मानवीय जीवन का अनिवार्य अंग बन गई है।

हमारे विचार से काव्य में कला का मूल लक्ष्य सौन्दर्य ही होना चाहिए किन्तु उसमें अनैतिक तत्वों का ऐसा मिश्रण न हो कि वह समाज को क्षति पहुँचाने लगे हाँ उसमें कलात्मकता को ठेस पहुँचाए बिना कुछ उपयोगी तत्वों का भी समावेश किया जा सके तो वह उसका विशिष्ट गुण होगा।

UNITED SECULAR SOCIETY

Dhankoot (Meghalaya)
धानकूट नृत्य (मेघालय)

Nagaland Folk Dance
नागालैण्ड लोक नृत्य

UNITED SECULAR SOCIETY

University Roll No. 6032096

जिस प्रकार सृष्टि में प्रातः काल तथा सांय काल होती है ठीक उसी प्रकार से कला के क्षेत्र में भी होती है।

UNITED SECULAR SOCIETY

कला का अन्य विषयों से सम्बन्ध :-

कला का अनेक विषयों की शिक्षा से गहरा संबंध है मनुष्य का जिस दिन से जन्म हुआ है या यू कहिए कि मानव जितना पुराना है कला भी उतनी ही प्राचीन है मनुष्य का समाज देश विदेश सभी से संबंध रहा है इसी प्रकार उसका सभी देशों की कलाओं शिक्षाओं से नाता स्वाभाविक ही जुड़ जाता है उसी प्रकार कला कभी अन्य विषयों के साथ संबंध रहा है। लेकिन वर्तमान में कला शिक्षा जीवन का एक उपयोगी अंग बन गई है कला जीवन की अभिव्यक्ति बन गई है।

कला तथा इतिहास :-

कला का इतिहास से अटूट संबंध है क्योंकि जैसी कला होगी वैसा ही इतिहास होगा क्योंकि उस युग की घटनाएँ, वस्तुओं के चित्र, समय- चार्ट नक्शे, मानव के रहन-सहन के चित्रों में इतिहास स्वयं निवास करता है इतिहास की घण्टी में कक्षा में पढ़ाते के लिए उस कला की आवश्यक होगी

UNITED SECULAR SOCIETY

कला तथा भूगोल का संबंध :- भूगोल से संबंधित जंगल नदी नाले, पहाड़ व अनेक प्रकार के जीव जन्तु की जानकारी हमें कला के द्वारा ही होती है क्योंकि भूगोल की जो स्थितिया होती है, उसी प्रत्येक स्थान पर प्रत्येक व्यक्ति का जाना व देखना असम्भव होता है कला के द्वारा हम घर बैठे ही उनका ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं अतः कला का भूगोल से गहरा संबंध रहा है।

कला तथा विज्ञान का संबंध :- विज्ञान से संबंधित अनेक प्रकार की खोजे चित्रों के माध्यम से मानव तक पहुँच पाती है क्योंकि प्रत्येक मानव सभी जगह पर नहीं पहुँच पाता इसीलिए उसे चित्रों के द्वारा विज्ञान का ज्ञान आसानी से हो जाता है।

कला तथा अंकगणित :- विभिन्न प्रकार की संख्याओं रेखाओं का ज्ञान कला के

UNITED SECULAR SOCIETY

द्वारा ही संभव है त्रिभुज, वर्गाकार, गोलाकार तथा अनेक प्रकार की आकृतियों को समझाने के लिए कला का सहारा लिया जाता हैं।

कला तथा भाषा का संबंध :-

जब मनुष्य बोलना नहीं जानता था तो वह अपनी अभिव्यक्ति चित्रों के माध्यम से ही स्पष्ट करता था, और जब मानव ने वर्ण चिह्नों को ढूंढ लिया तो उसने उनको लिखने के लिए भी कला का ही सहारा लिया। अतः स्पष्ट है कि भाषा के आने से पहले कला आ चुकी थी और बाद में भाषा व कला का अभिन्न संबंध स्थापित हो गया।

कला तथा नागरिक शास्त्र का संबंध :-

कला तथा नागरिक शास्त्र का गहरा संबंध रहा है चित्रों की सहायता से नागरिक शास्त्र को भली - प्रकार समझाया जा सकता है मंत्रिमंडल, संसद,

UNITED SECULAR SOCIETY

Visual and Performing Art

Meaning of Visual Art

दृश्य कला का अर्थ :-

मानव मन के अन्तर्निहित भाव जब किसी माध्यम द्वारा अभिव्यक्ति पाकर सौन्दर्य के प्रति आकृष्ट होते है तो उसे कला कहते है कवि चित्रकार, मूर्तिकार वास्तुकार व संगीत का इन कलाओं से निकट का नाता होता है और निकट का अनुराग भी।

दृश्य कला :-

दृश्य कला वे कलाऐं है जिनका आनंद आखों द्वारा लिया जा सकता है जिन चित्रों को देख कर आनंद मिले वे दृश्य कलाएँ है दृश्य कलाओं में निम्नलिखित विषयों को शामिल किया जाता हैं— चित्रकला, मूर्तिकला वास्तुकला, नृत्यकला

UNITED SECULAR SOCIETY

University Roll No. 6032096

सबसे पहले हम चित्रकला करने से पहले हमें चित्र तथा कला शब्दों के अर्थों को जानना होगा।

UNITED SECULAR SOCIETY

चित्रकला

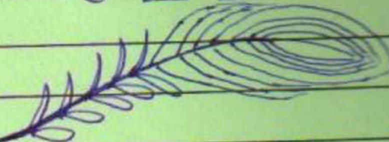

चित्रकला का अर्थ :-

मानव द्वारा अपने अन्तर्मन में निहित भावों को अभिव्यक्ति के जिस माध्यम द्वारा फलक पर रेखाओ और रंगो की सहायता से आकर्षक रूप अभिव्यक्ति किया जाता है उसे चित्रकला कहते हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में चित्रकला का स्थान :-

i) चित्रों के माध्यम से कलात्मक प्रतिभा का विकास होता है।

ii) चित्र के माध्यम से किसी भी देश व समाज की संस्कृति एवं सभ्यता के विकास का ज्ञान होता है।

iii) किसी भी प्रकार का विज्ञापन चित्रकला

UNITED SECULAR SOCIETY

से ही संभव हो पाता है।

iv) मानचित्र चित्रों को देखने और बनाने से किसी भी देश का खान-पान वेशभूषा जीवनस्तर आदि के विषय में सब तरह का ज्ञान हो जाता है।

v) साक्षरता के प्रचार में भी चित्रकला का अपना विशिष्ट योगदान रहा है।

मूर्तिकला :-

एक मूर्तिकार अपनी मूर्ति के माध्यम से अपनी भावों की इन्द्र-धनुषी दुनिया को हमारे सामने उजागर करता है जिस प्रकार एक कवितकार अपने भावों को कविता पंक्तियों में बिखेरता है ठीक उसी प्रकार मूर्तिकार भी पुराने जमाने से लेकर आज तक अनेको मूर्तियां मूर्ति कला के माध्य से उत्कृष्ट सौन्दर्य अभिव्यक्ति करती रही हैं।

मूर्तिकार पत्थर धातु लकड़ी मिट्टी आदि को काट-छाट कर अपनी विशिष्ट कल्पना के अनुरूप उसको आकार देता हैं।

UNITED SECULAR SOCIETY

UNITED SECULAR SOCIETY

वास्तु कला :- वास्तु कला गतिहीन कला के अन्तर्गत आती है वास्तुकार ईंट, लोहा, पत्थर जैसी शुष्क और कठोर वस्तु भी संगीत जैसी आमूर्त कला को प्रवाहित कर देते है कुतुब मीनार, ताजमहल, लाल किला, सोमनाथ का मंदिर, निराला मन्दिर, कामेश्वरी का मंदिर आदि दक्षिण भारत की भव्य इमारते भारतीय वास्तुकला की श्रेष्ठता के जीवंत उदाहरण है एक वास्तुविद् विशाल सुंदर आकर्षक सुदृढ भावनाओं का निर्माण करता है। जिसमें स्तम्भ तोरण आदि शोभयमान कृतिया लगी हो।

नृत्यकला :- अपने भावों को अंग संचालन द्वारा प्रकट करना नृत्य कहलाता है। नृत्य का इतिहास उतना ही प्राचीन है जितना की मानव जाति का इतिहास मानव द्वारा अपने भावों को अंग संचालन द्वारा प्रकट करते के प्रयासने ही नृत्य को जन्म दिया। ऋषि भरत ने तो उसे सब कलाओं में

UNITED SECULAR SOCIETY

सर्वश्रेष्ठ माना है आज भी इसका महत्व निर्विवाद भरतनाट्यम, कत्थक कुचीपुड़ी ओडिसी भारत के प्रसिद्ध नृत्य कलाएँ है कौन ऐसा आदमी जो एक अच्छे नाच के आगे अपना दिल ना खो बैठे।

ड्राईंग –

ड्राईंग शब्द का अर्थ है खीचना जब किसी चित्र की सही रूप कॉपी की जाती है तो उसको हम साधारण बोल चाल में ड्राईंग कहते हैं। किसी सतह पर नुकीले यन्त्र से खरोंच देना ही ड्राईंग कहलाता है। रेखांकन के लिए पैन पैन्सिल या लोहे की कील का प्रयोग किया जा सकता हैं।

UNITED SECULAR SOCIETY

Performing Arts

प्रदर्शन कलाएँ :-

कला शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है- कम् + ला कम का अर्थ है- आनंद तथा ला का अर्थ होगा- लाना अर्थात आनंद लाने वाली क्रियाएँ। हम इस बात को इस प्रकार से स्पष्ट करेंगे कि वे क्रियाएँ जिन्हें करते देखने सुनने से आनंद की अनुभूति हो वह प्रदर्शन कलाएँ कहलाती हैं। प्रदर्शन के द्वारा पहचानी जाने वाली दो कलाएँ है- संगीत कला तथा नृत्य कला

Music {संगीत} :-

संगीत मनुष्य जीवन का एक आवश्यक अंग है यह प्राचीन काल से ही मानव के साथ जुड़ा है संगीत प्रकृति के कण-कण के साथ जुड़ा है सांप जैसे विषैले प्राणी संगीत के आगे मस्त होकर और कैद स्वयं करवा लेते हैं यह संगीत का ही प्रभाव है कि मृग संगीत की ताल पर बाण की चपेट सहता है और पकड़ा जाता हैं।

UNITED SECULAR SOCIETY

University Roll No. 6032096

कला और शिक्षा में संबंध

कला शिक्षा का अर्थ :-

कला तथा शिक्षा में गहरा संबंध है, क्योंकि कला शिक्षा का माध्यम साधन है। मनुष्य को सामाजिक प्राणी बनाने में शिक्षा का गहरा योगदान है।

मानवीय जीवन के तीन पक्ष हैं।

i) ज्ञानात्मक।

ii) भावात्मक।

iii) क्रियात्मक।

ज्ञानात्मक, भावात्मक, क्रियात्मक कला इन तीनों पक्षों को विकसित करने में मदद करती है प्रकृति ने मानव को संवेदनशील बनाया है।

UNITED SECULAR SOCIETY

NIGHTINGALE बुलबुल

SWAN हंस

DUCK बत्तख

UNITED SECULAR SOCIETY

University Roll No. 6032096

मानव मस्तिष्क आकृतियों के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करता है टेढ़ी-मेढ़ी रेखाओं के माध्यम से मानवीय बच्चे को टेढ़ा-मेढ़ा लिखना सिखाया जाता है रेखाओं के माध्यम से उसकी भावनाओं को विकसित किया जाता है रेखाओं को बनाने वाले हाथों को क्रियाशील बनाया जाता है अतः कला का अर्थ है- बच्चों के व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास आधुनिक समय में कला जीवन का अनिवार्य अंग बन चुका है।

UNITED SECULAR SOCIETY

University Roll No. 6032096

हस्तकला

हस्त कार्य के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण :-

कार्य अनुभव की सहायता से विद्यार्थी को हाथ से कार्य करने के जो अवसर उपलब्ध होते है उनसे हाथ से काम करने की अच्छी आदित उसमें विकसित होती है अब वह हाथ से कार्य करने से निम्न चीजे बना सकते है, जिसको बाजार में बेचकर धन कमाया जा सकता है जिससे निर्धनता की दर कम हो सकती है इसीलिए हस्त कार्य बहुत ही अच्छा कार्य है। हाथ से हम चित्रकला, ड्राईंग बना सकते है और घर को सजाने के लिए रंगोली बना सकते है।

हस्तकला का अर्थ है कि अपने हाथों के द्वारा बनाई गई कला हम अपने हाथ से किसी भी प्रकार की कला कर सकते हैं।

UNITED SECULAR SOCIETY

EAGLE बाज़

VULTURE गिद्ध

OWL उल्लू

COCK मुर्गा

PIGEON कबूतर

MYNA मैना

UNITED SECULAR SOCIETY

University Roll No. 6032096

जैसे -
कढ़ाई - बुनाई, सिलाई, पेन्टर इत्यादि किसी भी डिजाइन की कला कर सकते है इस प्रकार की कला को करके हम धन कमा सकते है।

UNITED SECULAR SOCIETY

PEACOCK मोर

PARROT तोता

HEN मुर्गी

UNITED SECULAR SOCIETY

चित्रकला

चित्रकला की परिभाषा :-

कला मानव की भावनाओं की अभिव्यक्ति का माध्यम है इसी लिए चित्रकला चित्रों के माध्यम से अपनी अनुभूतियों को अभिव्यक्त करता है चित्रकला दो शब्दों से मिलकर बना है - चित्र + कला जिसका अर्थ होता है कि चित्र का खाता जो चित्रकला की परिभाषा के संदर्भ में कहा जा सकता है कि मनुष्य जब अपने हृदय की भावनाओं को रेखाओं के द्वारा प्रकट करता है तथा उसमें संदरता की भी छाव हो तो उसे साधारण बोलचाल की भाषा में चित्रकला कहते हैं।

चित्रकला के माध्यम से हम अनेक प्रकार के चित्र बना सकते है और हम उन चित्रों में सुंदर- सुंदर रंग भी

UNITED SECULAR SOCIETY

CROW कौवा
SPARROW चिड़िया
CUCKOO कोयल
STORK सारस
WOOD-PECKER कठफोड़वा
KITE चील

University Roll No. 6032096

भर सकते है जिससे की हमारे
चित्र सुंदर दिखाई देते है चित्रकला
के माध्यम से हम पेंटिंग भी कर
सकते है हमारे जीवन में चित्रकला
का भी बहुत महत्व होता हैं। चित्रकला
के माध्यम से हम अपने जीवन को
सुखमय बना सकते हैं।

UNITED SECULAR SOCIETY

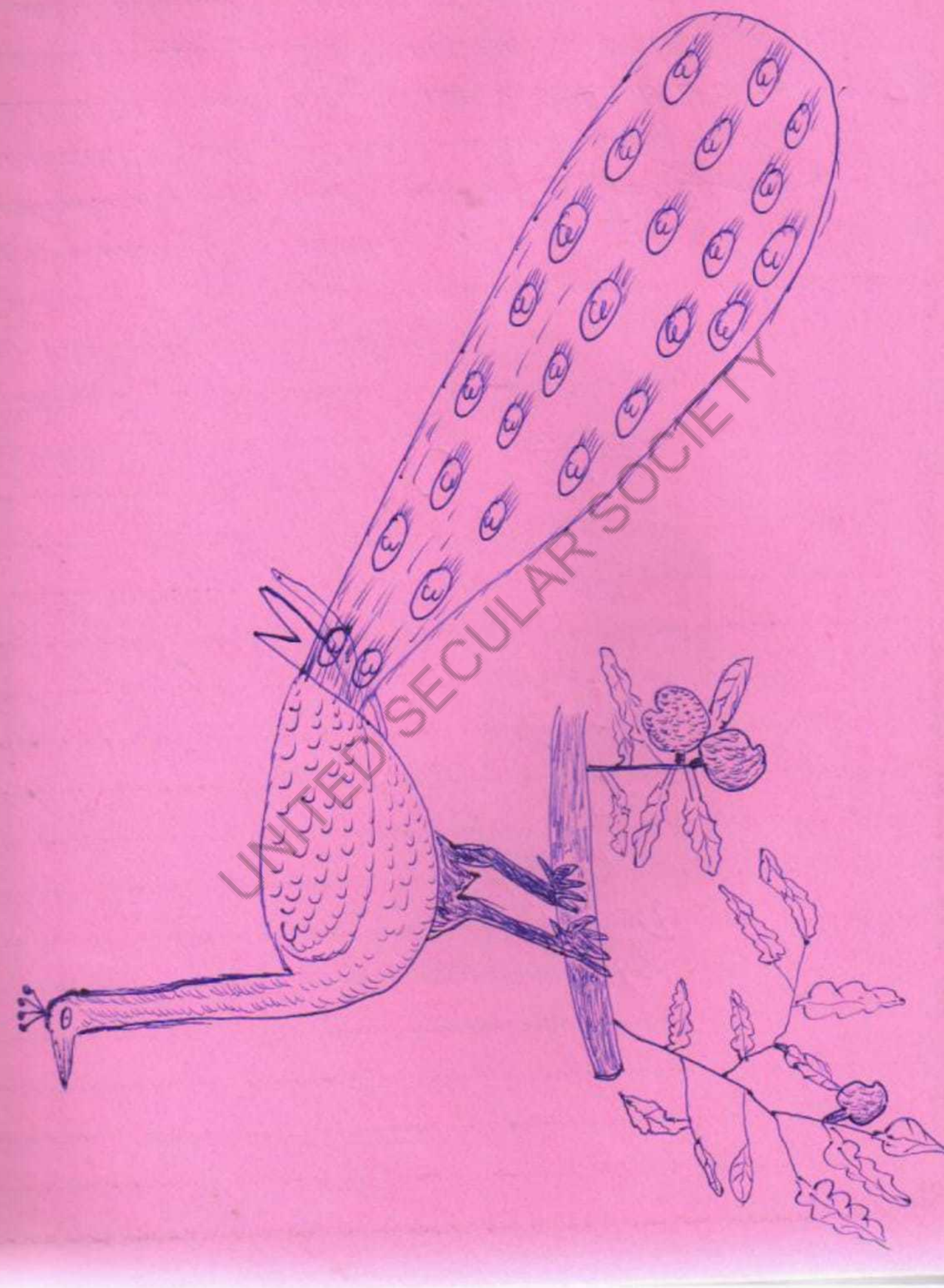

UNITED SECULAR SOCIETY

University Roll No. 6032096

ड्रॉईंग

ड्रॉईंग शब्द का अर्थ :-

ड्राईंग शब्द का अर्थ है 'खीचना' जब किसी चित्र की सही रूप से कॉपी की जाती है तो उसको हम साधारण बोलचाल में ड्रॉईंग कहते हैं। इस प्रकार ड्रॉईंग की परिभाषा देने के लिए कहा जा सकता है कि नुकीले औजार के माध्यम से खींचा हुआ या निर्माण किया हुआ कृत्य या कृति ड्राईंग कह-लाती है इस प्रकार हम इसे out line या स्तर पर नुकीले यंत्र से खरोच देना कहते हैं। इसमें पैन या पैंसिल का प्रयोग किया जा सकता है किसी भी फार्म या सतह के माध्यम से ड्राईंग की जा सकती है ड्राईंग करते समय हमें निम्न चीजो की जरूरत होती हैं।

जैसे - परकाल, पैंसिल, रबर, कटर फुट्टा इत्यादि चीजों की जरुरत होती है अगर हमारे पास फुट्टा होगा तो ही हम सीधी रेखा खीच सकते हैं।

UNITED SECULAR SOCIETY

UNITED SECULAR SOCIETY

University Roll No. ....

Importance of Music

MUSIC

भूमिका :- संगीत से बहुत प्रसन्नता आनंद और सौन्दर्य का अनुभव होता है मानव अपने मन के भावों को प्रकट करने के लिए सदैव किसी न किसी कला का आश्रय लेता आया है चित्रकार अपने भावों को रंग द्वारा और रेखाओं द्वारा प्रकट करता है जबकि कवि शब्दों के द्वारा और संगीतकार स्वयं लय के द्वारा प्रकट करता है मानव की आयु समय वातावरण सुख-दुःख स्वागत और विदाई आदि विभिन्न प्रकार के संगीत विभिन्न परिस्थितियों का प्रस्तुती-करण करते हैं।

संगीत का अर्थ :- संगीत में गायन-वादन और नृत्य का समावेश है अर्थात् गाना-बजाना और नाच

UNITED SECULAR SOCIETY

Himachal Folk Dance
हिमाचल लोक नृत्य

Bihu Dance (Assam)
बिहु नृत्य (असम)

Manipuri (Manipur)
मणिपुरी नृत्य (मणिपुर)

Rajasthan Folk Dance
राजस्थान लोक नृत्य

नाचना तीनों कलाओं का समावेश है इस प्रकार गायन और वादन और नृत्य तीनों कलाओं के सम्मिलित रूप को संगीत कहते हैं।

संगीत के प्रकार

i) गायन
ii) वादन
iii) नृत्य

गायन :-

जब हम शब्द स्वर और ताल के माध्यम से अपने भावों को प्रकट करते हैं तो उसे गायन कहते हैं। जैसे- गीत, भजन इसके मुख्य प्रकार हैं।

वादन :-

जब स्वर लय और ताल के साथ किसी वाद्य यंत्र (सितार, सारंगी, बांसुरी) आदि को बजाया जाता है तो संगीतकार अपने भावों को उनकी सहायता से व्यक्त करता है। सितार बांसुरी तथा सितार आदि को वाद्य यंत्र कहा जाता है इनकी सहायता से हम वादन कर सकते हैं।

UNITED SECULAR SOCIETY

Andhra Folk Dance
आन्ध्र लोक नृत्य

Mali (Madhya Pradesh)
माली नृत्य (मध्य प्रदेश)

Natraj नटराज

Rouf Dance (Kashmir)
रूफ नृत्य (कश्मीर)

UNITED SECULAR SOCIETY

नृत्य :- भिन्न- भिन्न प्रकार की भाव मुद्राओं तथा अंग - अंग संचालन द्वारा अपने मन की भावनाओं की अभि- व्यक्ति करना ही नृत्य कहलाता है नृत्य के विभिन्न प्रकार है।
जैसे- कथककली, मणिपुरी नृत्य, ओडिसी नृत्य कथक, भरत नाट्यम् इत्यादि।

UNITED SECULAR SOCIETY

Kathakali (Kerala)
कथकली नृत्य (केरल)

Bhootkola (Karnataka)
भूतकोला नृत्य (कर्नाटक)

UNITED SECULAR

अ आ इ ई उ ऊ

ऋ

ए ऐ ओ औ अं अः

Kamal Paper Products

UNITED SECULAR SOCIETY

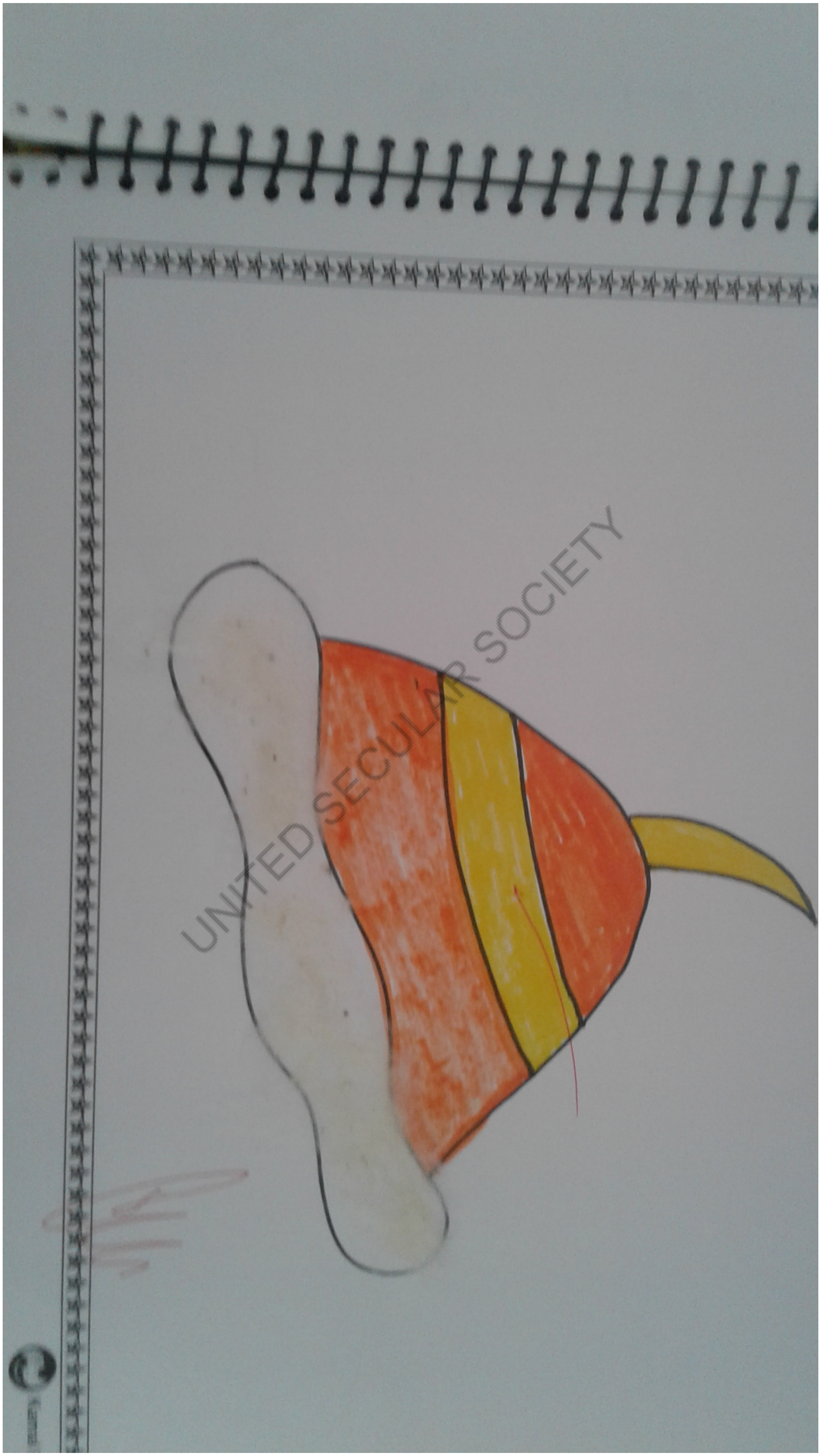

UNITED SECULAR SOCIETY

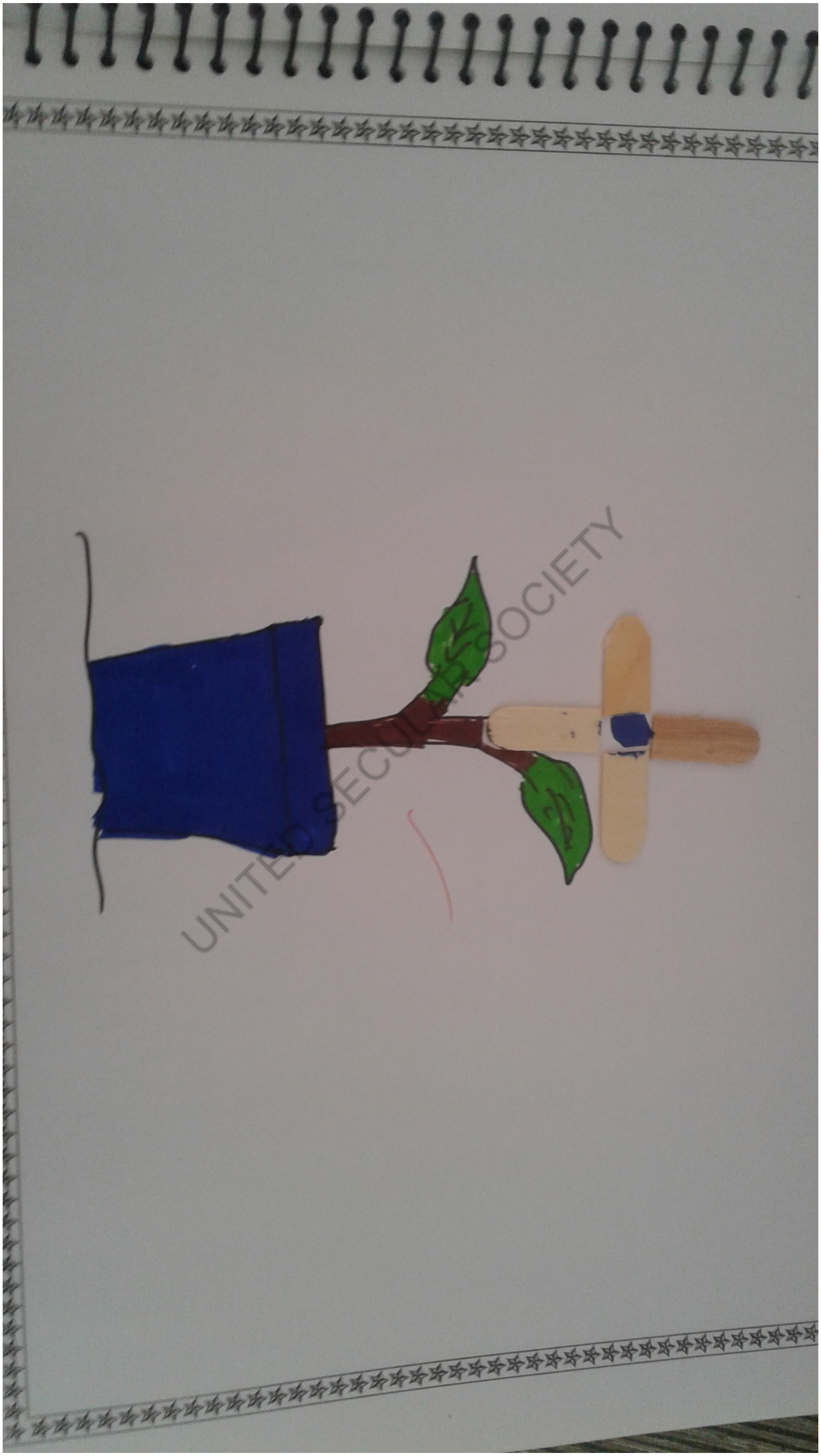

UNITED SECULAR SOCIETY

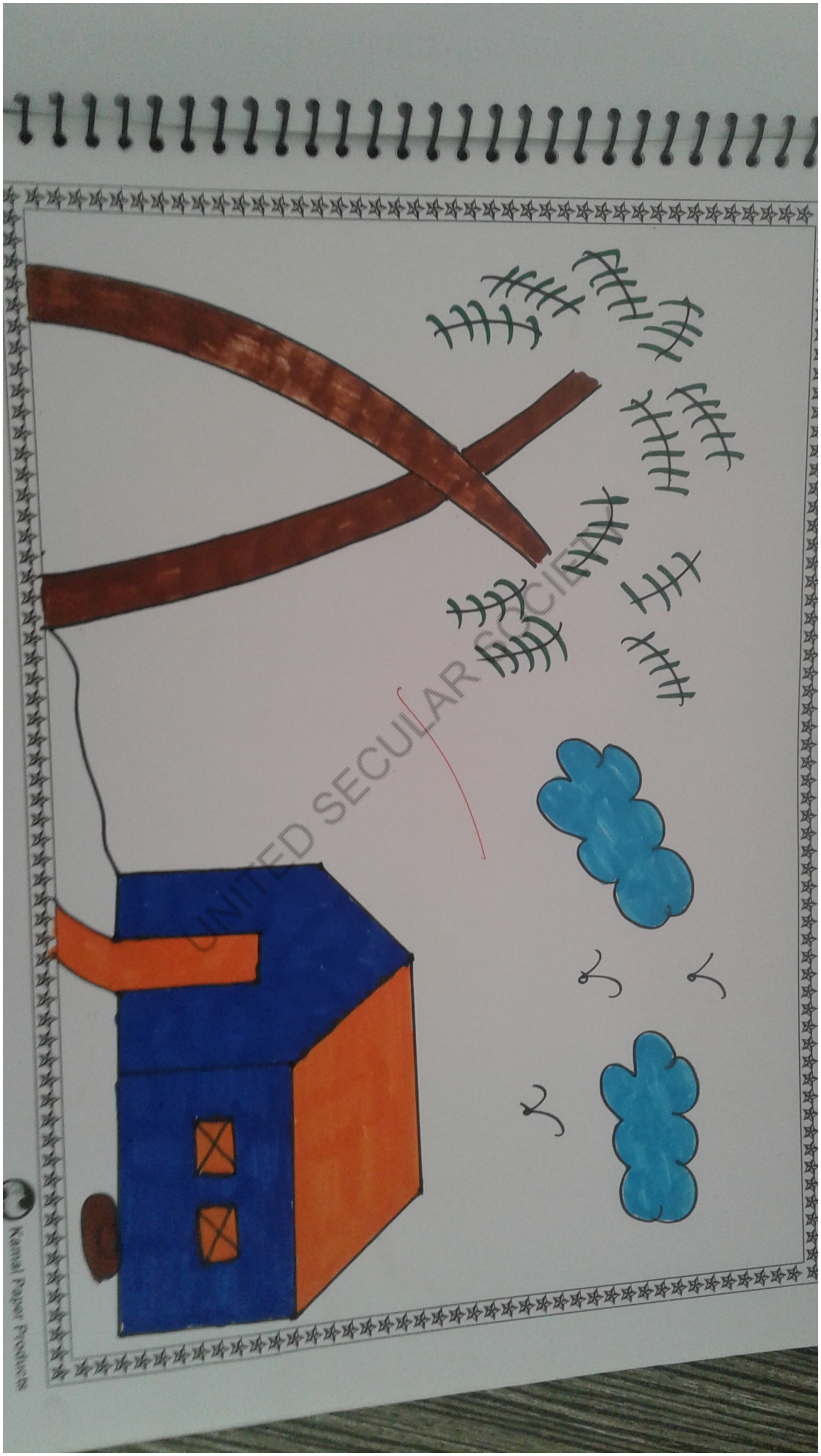

University Roll No.................................... Page No.........

क ख ग घ ङ च छ ज

झ ञ ट ठ ड ढ ण त

थ द ध न प फ ब भ

म य र ल व श ष स

ह क्ष त्र ज्ञ

UNITED SECULAR SOCIETY

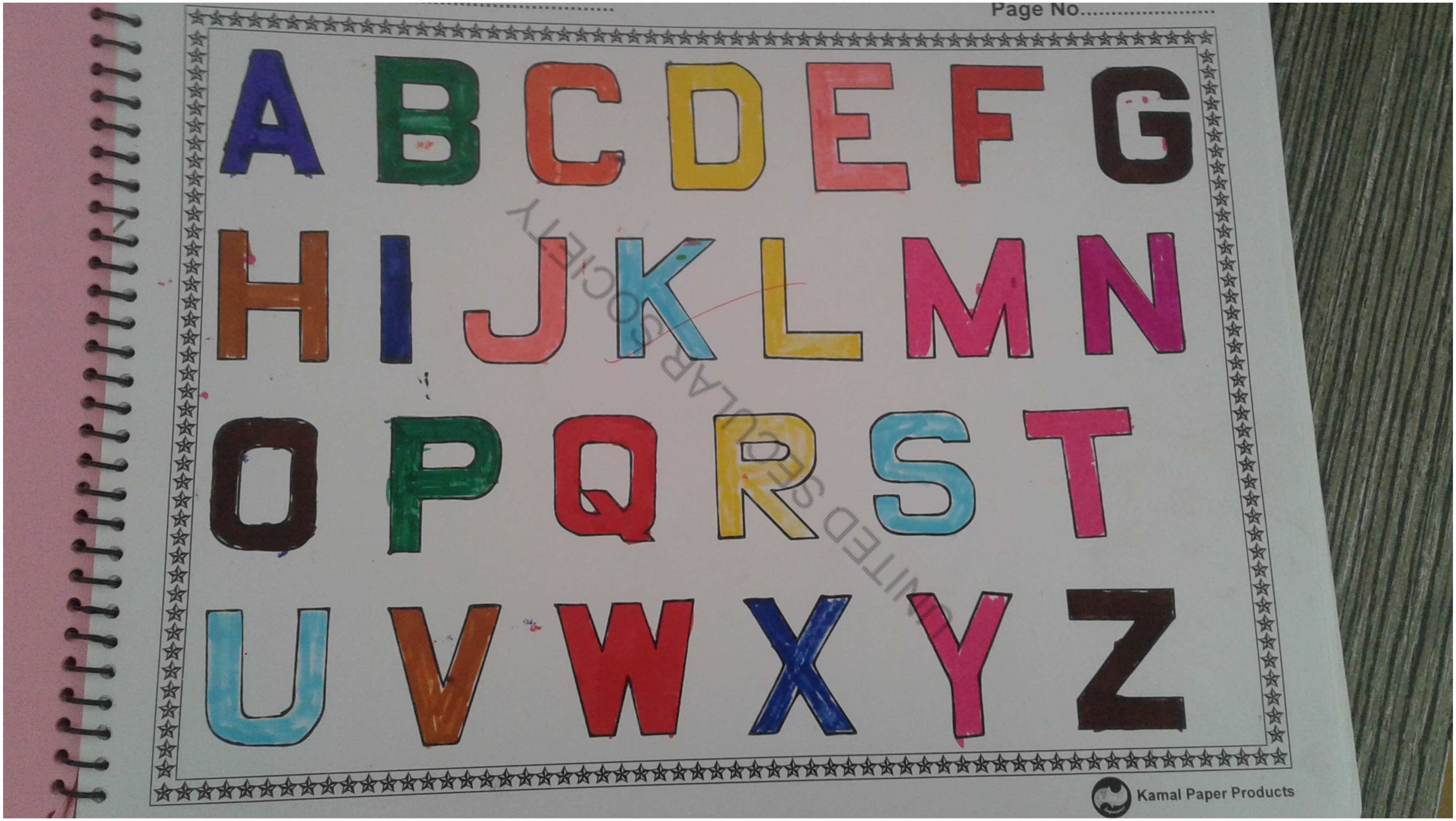

UNITED SECULAR SOCIETY

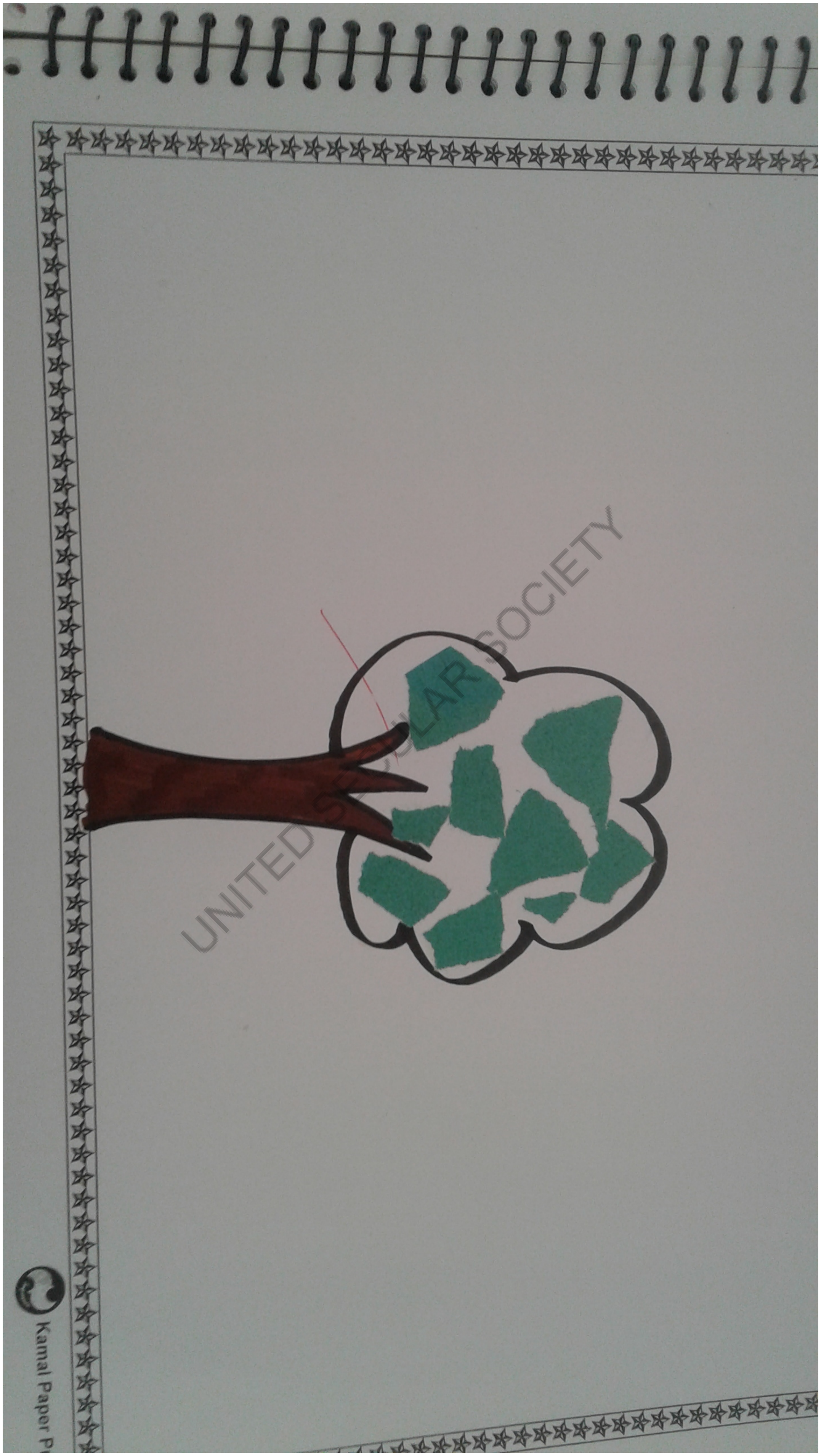

UNITED SECULAR SOCIETY